जमशेदपुर वीमेंस कॉलेज, जमशेदपुर

(अंगीभूत स्नातक महाविद्यालय, राँची विश्वविद्यालय, राँची)
यू.जी.सी. द्वारा उत्कृष्टता की संभाव्यता वाला महाविद्यालय
जमशेदपुर – 831 001

हिन्दी विभाग

पाठ्यक्रम

स्नातकोत्तर – प्रथम, एवं द्वितीय वर्ष
हिन्दी
2012

जमशेदपुर वीमेंस कॉलेज, जमशेदपुर

(अंगीभूत स्वायत्त महाविद्यालय, राँची विश्वविद्यालय, राँची)
यू.जी.सी. द्वारा उत्कृष्टता की संभाव्यता वाला महाविद्यालय
जमशेदपुर – 831 001

हिन्दी विभाग

पाठ्यक्रम

स्नातकोत्तर – प्रथम, एवं द्वितीय वर्ष
हिन्दी
2012

जमशेदपुर वीमेंस कॉलेज, जमशेदपुर

हिन्दी पाठ्यक्रम

स्नातकोत्तर - प्रथम एवं द्वितीय वर्ष

निर्देश :

स्नातकोत्तर का पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा बनाए गये पाठ्यक्रम पर आधारित है। यह पाठ्यक्रम चार सत्रों में विभक्त है। प्रत्येक सत्र छह महीनों का है। प्रत्येक सत्र में छह पत्रों की पढ़ाई होगी। प्रत्येक पत्र 100 अंक का होगा, जिसमें 80 अंक की परीक्षा होगी और 20 अंक कक्षा कार्य (Internal Assessement) पर आधारित होगा। 22वां और 23वां पत्र, विशेष पत्र है। जिसमें तीन खण्ड हैं। किसी एक खण्ड को पढ़ना अनिवार्य होगा। 24वां पत्र लघु शोध प्रबंध का है।

स्नातकोत्तर परीक्षा कुल 2400 अंकों की होगी। प्रत्येक पत्र में 45% अंक लाना अनिवार्य है। प्रत्येक पत्र के लिए 50 कक्षाएं निर्धारित है।

स्नोतकोत्तर – प्रथम वर्ष

प्रथम सत्र		अंक
1.	प्रथम पत्र – भारतीय काव्यशास्त्र	100
2.	द्वितीय पत्र – हिन्दी साहित्येतिहास का आदिकाल	100
3.	तृतीय पत्र – हिन्दी साहित्येतिहास का भक्तिकाल	100
4.	चतुर्थ पत्र – हिन्दी साहित्येतिहास का रीतिकाल	100
5.	पंचम पत्र – हिन्दी साहित्येतिहास का आधुनिककाल	100
6.	षष्ठ पत्र – मध्यकालीन काव्य	100

द्वितीय सत्र		अंक
7.	सप्तम पत्र – छायावाद एवं छायावादोत्तर काव्य प्रवृतियाँ	100
8.	अष्टम पत्र – छायावादी एवं छायावादोत्तर कवि एवं कविता	100
9.	नवम् पत्र – भाषा विज्ञान	100
10.	दशम पत्र – पाश्चात्य काव्यशास्त्र	100
11.	एकादश पत्र – राजभाषा प्रशिक्षण	100
12.	द्वादश पत्र – प्रयोजनमूलक हिन्दी	100

स्नातकोत्तर – द्वितीय वर्ष

तृतीय सत्र

		अंक
13.	तेरहवाँ पत्र – हिन्दी भाषा	100
14.	चौदहवाँ पत्र – निबंध साहित्य एवं साहित्यिक निबंध लेखन	100
15.	पन्द्रहवाँ पत्र – हिन्दी नाटक	100
16.	सोलहवाँ पत्र – अनुसंधान प्रविधि	100
17.	सत्रहवाँ पत्र – पत्रकारिता	100
18.	अठरहवाँ पत्र – आधुनिक कथा साहित्य	100

चतुर्थ सत्र

19.	उन्नींसवाँ पत्र – प्रेमचंद साहित्य	100
20.	बीसवीं पत्र – लोक साहित्य	100
21.	इकीसवाँ पत्र – कम्प्यूटर और हिन्दी	100
22.	बाईसवाँ पत्र – विशेष पत्र – किसी एक विषय का चयन करें (i) कबीर दास (ii) सूरदास (iii) सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला	100
23.	तेइसवाँ पत्र – विशेष पत्र – किसी एक का चयन करें (क) अनुवाद विज्ञान (ख) कोश विज्ञान (ग) दृश्य श्रव्य माध्यम लेखन	100
24.	वां पत्र – लघु शोध प्रबंध	100

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष
विषय : हिन्दी
सत्र – प्रथम
पत्र : प्रथम

भारतीय काव्य–शास्त्र

अंक विभाजन :–

आलोचनात्मक प्रश्न	–	3 X 20	=	60
लघुत्तरी प्रश्न	–	2 X 5	=	10
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	–	10 X 1	=	10

पाठ्य विषय :

1. काव्य लक्षण
2. काव्य के तत्व एवं प्रकार, प्रयोजन हेतु
3. विभिन्न काव्य सम्प्रदायों का सामान्य परिचय
4. रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति
5. अलंकार का स्वरूप एवं भेद
6. ध्वनि – स्वरूप एवं भेद
7. वक्रोक्ति – स्वरूप एवं भेद
8. औचित्य – स्वरूप एवं भेद
9. रीति – स्वरूप एवं भेद

नोट : सभी प्रश्न निर्धारित पाठ्य विषयों से ही पूछे जाएंगे।

सहायक पुस्तकें :–

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत – डॉ0 गणपतिचन्द्र गुप्त – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. रस सिद्धांत – डॉ. नगेन्द्र – नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
3. रस सिद्धांत का पुनर्विवेचन, डॉ. गणपतिचन्द्र शुक्ल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. काव्य के तत्व, आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. भारतीय काव्य शास्त्र, डॉ0 विश्वम्भरनाथ उपाध्याय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
6. भारतीय काव्य शास्त्र की परम्परा (1 और 2), डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
7. वस्तुनिष्ठ काव्य शास्त्र, बालेन्दु शेखर तिवारी, क्लासिकल पब्लिशिंग कम्पनी, दिल्ली
8. भारतीय काव्य शास्त्र एवं पाश्चात्य साहित्य चिंतन, डॉ. सभापति मिश्र, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्य शास्त्र का संक्षिप्त विवेचन, डॉ. शांति स्वरूप गुप्त, नमन प्रकाशन, नई दिल्ली

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष
विषय : हिन्दी
सत्र – प्रथम
पत्र : द्वितीय

हिन्दी साहित्य का आदिकाल

अंक विभाजन :–

आलोचनात्मक प्रश्न	–	3 X 20	=	60
लघुत्तरी प्रश्न	–	2 X 5	=	10
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	–	10 X 1	=	10

पाठ्य विषय :

खण्ड 'क'

1. हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की परम्परा, हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की समस्याएँ, साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की आवश्यकता।
2. हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन और नामकरण

खण्ड 'ख'

हिन्दी साहित्य का आदिकाल

1. आदिकाल का नामकरण
2. आदिकाल की राजनीतिक, धार्मिक, सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक परिस्थितियाँ एवं साहित्य पर उसका प्रभाव।
3. आदिकालीन साहित्य का वर्गीकरण – सिद्ध साहित्य, जैन साहित्य, नाथ साहित्य, रासो साहित्य, लौकिक साहित्य।
4. आदिकालीन गद्य का स्वरूप।

नोट : खण्ड 'क' से एक आलोचनात्मक प्रश्न एवं खण्ड 'ख' से भी एक आलोचनात्मक प्रश्न करना अनिवार्य है। तीसरा आलोचनात्मक प्रश्न खण्ड 'क' या खण्ड 'ख' किसी से भी कर सकते हैं। शेष प्रश्न समस्त पाठ्य विषयों से पूछे जाऐंगे।

सहायक पुस्तकें :–

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास, डॉ0 शेखर वर्मा, डॉ0 इन्दूबाला शर्मा, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
3. पृथ्वीराज रासो : भाषा और साहित्य, नामवर सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
4. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
5. हिन्दी साहित्य का आदिकाल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
6. हिन्दी साहित्य का अतीत भाग –1, आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. साहित्य और इतिहास दृष्टि, मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष
विषय : हिन्दी
सत्र – प्रथम
पत्र : तृतीय

हिन्दी साहित्य का भक्तिकाल

अंक विभाजन :–

आलोचनात्मक प्रश्न	–	3 X 20	=	60
लघुत्तरी प्रश्न	–	2 X 5	=	10
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	–	10 X 1	=	10

पाठ्य विषय :

1. भक्तिकाल की परिस्थितियाँ – राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक
2. भक्ति आंदोलन उद्भव एवं विकास
3. विभिन्न काव्य धाराएँ – वैशिष्ट्य, अवदान एवं प्रवृत्तियाँ
4. संत काव्य धारा एवं कबीर, सूफी काव्य धारा एवं जायसी, रामकाव्य धारा एवं तुलसीदास तथा कृष्ण काव्य धारा एवं सूरदास।
5. भक्तिकाल हिन्दी साहित्य का स्वर्णयुग।
6. भक्तिकालीन गद्य साहित्य का स्वरूप।

नोट : सभी प्रश्न निर्धारित पाठ्य विषयों से ही पूछे जाएंगे।

सहायक पुस्तकें :–

1. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य, मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. भक्ति आदोलन इतिहास और संस्कृति, कुवरपाल सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. भक्ति का संदर्भ, देवी शंकर अवस्थी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. भक्ति के आयाम, डॉ0 पी. जयरामन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. भारतीय भक्ति साहित्य, डॉ0 नगेन्द्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
6. हिन्दी रामकाव्य का स्वरूप और विकास बदलते युगबोध, डॉ0 प्रेमचंद महेश, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. मध्ययुगीन भारत का इतिहास, उर्मिला थापर, राजकमल प्रकाशन

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष
विषय : हिन्दी
सत्र – प्रथम
पत्र : चतुर्थ

हिन्दी साहित्य का रीतिकाल

अंक विभाजन :–

आलोचनात्मक प्रश्न	–	3 X 20	=	60
लघुत्तरी प्रश्न	–	2 X 5	=	10
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	–	10 X 1	=	10

पाठ्य विषय :

1. भक्ति काव्य का रीतिकाल में रूपान्तरण।
2. रीतिकाल का नामकरण एवं काल सीमा।
3. रीतिकालीन परिवेश, परिस्थितियाँ और उसका प्रभाव।
4. रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
5. 'रीति' शब्द का विकास और रीतिकाव्य, रीतिबद्ध काव्य तथा रीतिमुक्त काव्य, वीर एवं नीति काव्य
6. घनानंद, भूषण, बिहारीलाल
7. रीतिकालीन गद्य साहित्य

नोट : सभी प्रश्न निर्धारित पाठ्य विषयों से ही पूछे जाएंगे।

सहायक पुस्तकें :–

1. इतिहास दर्शन, डॉ0 रामविलाश शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. हिन्दी साहित्य का अतीत – भाग – 2, आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. रीतिकाव्य की इतिहास दृष्टि, सुधीन्द्र कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. हिन्दी साहित्य की भूमिका, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. हिन्दी साहित्य : उद्‌भव और विकास, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष
विषय : हिन्दी
सत्र – प्रथम
पत्र : पंचम

हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल

अंक विभाजन :–

आलोचनात्मक प्रश्न	–	3 X 20	=	60
लघुत्तरी प्रश्न	–	2 X 5	=	10
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	–	10 X 1	=	10

पाठ्य विषय :

खण्ड 'क'

1. आधुनिक साहित्य की काल सीमा।
2. आधुनिक साहित्य की राजनीतिक, साहित्यिक, सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि।
3. हिन्दी गद्य का विकास – ईसाई मिशनरियाँ, फोर्ट विलियम कॉलेज तथा सुधारवादी आंदोलनों की भूमिका।
4. भारतेन्दुकालीन हिन्दी साहित्य का स्वरूप एवं विकास।

खण्ड 'ख'

1. <u>गद्य की विविध सर्जनात्मक विधाएँ</u>
   कहानी, उपन्यास, नाटक, एकांकी, रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथा, यात्रावृत्त, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, जीवनी।
2. हिन्दी आलोचना
3. आधुनिक साहित्य के विकास में पत्र–पत्रिकाओं का योगदान।

नोट : खण्ड 'क' से एक आलोचनात्मक प्रश्न, खण्ड 'ख' से भी एक आलोचनात्मक प्रश्न करना अनिवार्य होगा। तीसरा प्रश्न किसी भी खण्ड से कर सकते हैं। शेष सभी प्रश्न निर्धारित पाठ्य विषय से ही पूछे जाऐंगे।

सहायक पुस्तकें :–

1. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, डॉ0 बच्चन सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, डॉ0 रामकुमार वर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. हिन्दी गद्य : विन्यास और विकास, डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. हिन्दी साहित्य का मानक इतिहास, डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी, आचार्य नन्ददुलारे बाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. हिन्दी उपन्यास का विकास, मधुरेश, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
7. हिन्दी साहित्य का सर्वेक्षण – 2, विश्वम्भर 'मानव', राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष
विषय : हिन्दी
सत्र – प्रथम
पत्र : षष्ठ

मध्यकालीन काव्य

अंक विभाजन :–

आलोचनात्मक प्रश्न	–	2 X 15	=	30
व्याख्याएँ	–	3 X 10	=	30
लघुत्तरी प्रश्न	–	2 X 5	=	10
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	–	10 X 1	=	10

पाठ्य विषय :

पाठ्य ग्रंथ – मध्यकालीन काव्य, सं0 – गुरलीधर श्रीवास्तव, विनय कुमार (भारती भवन)

- रैदास – संपूर्ण
- मीरा बाई – 10 पद
- जायसी – नागमति वियोग खंड
- तुलसीदास – बालरूप की झांकी, गीतावली
- बिहारीलाल – दोहा 1 से 35 तक
  घनानन्द – कवित्त
-

नोट : सभी प्रश्न पाठ्य विषय से ही पूछे जाऐंगे।

सहायक पुस्तकें :–

1. कबीर : एक नई दृष्टि, डॉ0 रघुवंश, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. तुलसीदास, डॉ0 विश्वनाथ तिवारी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. जायसी : एक नई दृष्टि, डॉ0 रघुवंश, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. बिहारी का नया मूल्याकन, डॉ0 बच्चन सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. प्राचीन कवि, विश्वम्भर 'मानव', राजकमल प्रकाशन, दिल्ली मध्यकालीन काव्य, मुरलीधर श्रीवास्तव, विनय कुमार, भारती भवन, कदमकुआँ, पटना–3

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष
विषय : हिन्दी
सत्र – द्वितीय
पत्र : सातवाँ

छायावादी एवं छायावादोत्तर हिन्दी काव्य प्रवृत्तियाँ

अंक विभाजन :–

आलोचनात्मक प्रश्न	–	3 X 20	=	60
लघुत्तरी प्रश्न	–	2 X 5	=	10
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	–	10 X 1	=	10

पाठ्य विषय :
छायावाद
प्रगतिवाद
प्रयोगवाद
नई कविता
साठोत्तरी कविता
नवगीत
समकालीन कविता
सम्पूर्ण पाठ्य विषय का सामान्य परिचय, प्रवृत्तियाँ, परिस्थितियाँ एवं विशेषताएँ

नोट : सभी प्रश्न निर्धारित पाठ्य विषयों से ही पूछे जाएंगे।

सहायक पुस्तकें :–

1. छायावादी काव्य का समाजशास्त्रीय अध्ययन, डॉ0 केशवदेव शर्मा, भावना प्रकाशन, पटपड़गंज, दिल्ली
2. आधुनिक हिन्दी काव्य और कवि, डॉ0 सुरेशचन्द्र 'निर्मल', भावना प्रकाशन, पटपडगंज, दिल्ली
3. प्रगतिवादी आंदोलन का इतिहास, कर्णसिंह चौहान, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
4. छायावादोत्तर हिन्दी काव्य–शिल्प, रामकुमार मिश्र, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
5. समकालीन हिन्दी कविता के बदलते सरोकार, डॉ0 राधा वर्मा, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
6. समकालीन कविता के बारे में, नरेन्द्र मोहन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. साठोत्तरी हिन्दी कविता में जनवादी चेतना, नरेन्द्र सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
8. समकालीन नवगीत का विकास, राजेश सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
9. समकालीन कविता और सौन्दर्य बोध, रोहिताश्व, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
10. नई कविता के प्रबंध काव्य शिल्प और जीवन दर्शन, उमाकान्त गुप्त, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष
विषय : हिन्दी
सत्र – द्वितीय
पत्र : आठवाँ

छायावादी एवं छायावादोत्तर कवि एवं काव्य

अंक विभाजन :–

आलोचनात्मक प्रश्न	–	2 X 20	=	40
व्याख्याएँ	–	2 X 10	=	20
लघुत्तरी प्रश्न	–	2 X 5	=	10
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	–	10 X 1	=	10

पाठ्य विषय : पाठ्य ग्रंथ :

1. पंत, प्रसाद, निराला एवं महादेवी की श्रेष्ठ रचनाएँ – सं०
2. नया सप्तक – सं. राकेश गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
1. जयशंकर प्रसाद – कामायनी, 'चिंता' सर्ग
2. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला – राम की शक्तिपूजा
3. सुमित्रानंदन पंत – नौका विहार
4. नागार्जुन – हरिजन गाथा, मंत्र
5. अज्ञेय – असाध्य वीणा, बावरा अहेरी
6. मुक्तिबोध – अंधेरे में (दो भाग)
7. सर्वेश्वरदयाल सक्सेना – युद्ध स्थिति
8. धूमिल – मोचीराम

नोट : एक आलोचनात्मक प्रश्न कवि के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर तथा दूसरा आलोचनात्मक प्रश्न कविता पर आधारित होगा। शेष सभी प्रश्न निर्धारित पाठ्य विषयों से ही पूछे जाएंगे।

सहायक पुस्तकें :–

1. कल्पना और छायावाद, केदारनाथ सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. मुक्तिबोध के प्रतीक और बिम्ब, चंचल चौहान, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. निराला की विचारधारा, तरूण कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. सर्वेश्वरदयाल सक्सेना का रचनाकर्म, कृष्णदत्त पालीवाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. प्रसाद : एक नई दृष्टि, डॉ० प्रणव शर्मा, भावना प्रकाशन, दिल्ली
6. पंत का काव्य विकास, डॉ० जयप्रकाश पाण्डेय, भावना प्रकाशन, दिल्ली
7. निराला काव्य का मनोवैज्ञानिक अध्ययन, डॉ० कमल प्रभा कपानी, भावना प्रकाशन, दिल्ली
8. धूमिल की कविता में यथार्थ बोध, डॉ० चमनलाल गुप्ता, भावना प्रकाशन, दिल्ली
9. विपक्ष का कवि धूमिल, डॉ० राहुल, भावना प्रकाशन, दिल्ली
10. नई कविता, निराला, अज्ञेय और मुक्तिबोध, विद्या सिन्हा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
11. अज्ञेय और मुक्तिबोध, डॉ० ललिता राठौड़, भावना प्रकाशन, दिल्ली

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष
विषय : हिन्दी
सत्र – द्वितीय
पत्र : नौवाँ

भाषा – विज्ञान

अंक विभाजन :–

आलोचनात्मक प्रश्न	–	3 X 20	=	60
लघुत्तरी प्रश्न	–	2 X 5	=	10
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	–	10 X 1	=	10

पाठ्य विषय :

1. भाषा – परिभाषा, अभिलक्षण, भाषिक संरचना
2. भाषा विज्ञान – परिभाषा, शाखाएँ – वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक
3. भाषा विज्ञान के अंग – ध्वनि, पद, वाक्य, अर्थ
4. पद, रूप विज्ञान – रूपिम की अवधारणा और भेद – मुक्त, आबद्ध, अर्थदर्शी, सम्बन्धदर्शी रूपिम के भेद और प्रकार्य
5. वाक्य विज्ञान – वाक्य की अवधारणा और भाषा की इकाई के रूप में वाक्य, वाक्य के भेद, वाक्य विश्लेषण
6. अर्थ विज्ञान – अर्थ की अवधारणा, शब्द–अर्थ संबंध, अर्थ परिवर्तन के कारण, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ
7. ध्वनि विज्ञान एवं ध्वनिग्राम विज्ञान – परिचय, ध्वनियों के वर्गीकरण का आधार, ध्वनि परिवर्तन दिशाएँ एवं कारण

नोट : सभी प्रश्न निर्धारित पाठ्य विषयों से ही पूछे जाएंगे।

सहायक पुस्तकें :–

1. आधुनिक भाषा विज्ञान, राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. भारतीय भाषा विज्ञान, आचार्य किशोरीदास वाजपेयी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. आधुनिक भाषा विज्ञान, डॉ० श्यामसुन्दर दास, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
4. भाषा विज्ञान, भोलानाथ तिवारी, किताब महल, दिल्ली
5. हिन्दी भाषा, भोलानाथ तिवारी, किताब महल, दिल्ली
6. भाषा विज्ञान, आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा, किताब महल, दिल्ली

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष
विषय : हिन्दी
सत्र – तृतीय
पत्र : दसवाँ

पाश्चात्य काव्य–शास्त्र

अंक विभाजन :–

आलोचनात्मक प्रश्न	–	3 X 20	=	60
लघुत्तरी प्रश्न	–	2 X 5	=	10
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	–	10 X 1	=	10

पाठ्य विषय :

1. पाश्चात्य समीक्षा का उद्‌भव और विकास
2. प्लेटो का पाश्चात्य समीक्षा में महत्व
3. अरस्तु – अनुकरण सिद्धांत, त्रासदी विवेचन
4. लोंजाइनस – उदात्त की अवधारणा
5. टी0 एस0 इलीएट – निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत
6. वर्ड्सवर्थ – काव्य भाषा का सिद्धांत
7. मैथ्यु आर्नाल्ट – आलोचना का स्वरूप

नोट : सभी प्रश्न निर्धारित पाठ्य विषयों से ही पूछे जाएंगे।

सहायक पुस्तकें :–

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र 2010, तारकनाथ बाली, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य–शास्त्र की रूपरेखा, डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : आधुनातन संदर्भ, डॉ0 सत्यदेश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास, डॉ0 तारकनाथ बाली, किताबघर, दिल्ली
5. पाश्चात्य काव्यचिंतन, करूणाशंकर उपाध्याय, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
6. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत, डॉ0 कृष्णदेव शर्मा, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
7. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत, डॉ0 शांतिस्वरूप गुप्त, अशोक प्रकाशन, दिल्ली
8. भारतीय काव्य–शास्त्र एवं पाश्चात्य साहित्य चिंतन, डॉ0 सभापति मिश्र, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र का संक्षिप्त विवेचन, डॉ0 सत्यदेव चौधरी, डॉ0 शांतिस्वरूप गुप्त, नमन प्रकाशन, नई दिल्ली
10. पाश्चात्य काव्यशास्त्र, निर्मला जैन, राजकमल प्रकाशन

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष
विषय : हिन्दी
सत्र – द्वितीय
पत्र : ग्यारहवाँ

राजभाषा प्रशिक्षण

अंक विभाजन :–

आलोचनात्मक प्रश्न	–	2 X 20	=	40
लघुत्तरी प्रश्न	–	2 X 5	=	10
राजभाषा विषयक अधिनियम	–	10 X 2	=	20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	–	10 X 1	=	10

पाठ्य विषय :

(क) प्रशासन – व्यवस्था और भाषा
- भारत की बहुभाषिकता और एक सम्पर्क भाषा की आवश्यकता
- राजभाषा (कार्यालयी हिन्दी) की प्रकृति
- कार्यालय अभिलेखों के हिन्दी अनुवाद की समस्या
- केन्द्र एवं राज्य शासन के विभिन्न मंत्रालयों में हिन्दीकरण की प्रगति
- बैंकिंग, बीमा और अन्य वाणिज्यिक वित्तीय क्षेत्रों में हिन्दी अनुप्रयोग की स्थिति
- सूचना प्रोद्योगिकी – संचार माध्यमों के परिप्रेक्ष्य में हिन्दी

(ख) राजभाषा अधिनियम
- अनुच्छेद 343 से 351 तक
- राष्ट्रपति आदेश 1952, 1955, 1960
- राजभाषा अधिनियम – 1963 तथा संशोधन 1967
- राजभाषा संकल्प – 1968 यथानुमोदित
- राजभाषा नियम – 1976 द्विभाषीय नीति और त्रिभाषा सूत्र

नोट : सभी प्रश्न निर्धारित पाठ्य विषयों से ही पूछे जाएंगे।

सहायक पुस्तकें :–

1. राजभाषा हिन्दी, भोलानाथ तिवारी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
2. कार्यालय कार्यबोध, कैलाशचंद भाटिया, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
3. राजभाषा हिन्दी – प्रशिक्षण, डॉ0 विनय कुमार पाठक, भावना प्रकाशन, दिल्ली
4. राजभाषा हिन्दी : साक्षात्कार परीक्षा, डॉ0 विचारदास सुमन, भावना प्रकाशन, दिल्ली
5. राजभाषा सहायिका, अवधेश मोहन गुप्त, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
6. सरकारी कामकाज में हिन्दी, सुभाष चन्दर, भावना प्रकाशन, दिल्ली
7. प्रयोजनमूलक हिन्दी की नयी भूमिका, कैलाशनाथ पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धांत और प्रयोग, दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

राजभाषा हिन्दी, कुसुम वीर (निदेशक, राजभाषा आयोग) राजकमल प्रकाशन

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष
विषय : हिन्दी
सत्र – द्वितीय
पत्र : बारहवाँ

प्रयोजनमूलक हिन्दी

अंक विभाजन :–

आलोचनात्मक प्रश्न	–	3 X 15	=	45
लघुत्तरी प्रश्न	–	2 X 7½	=	15
अनुवाद	–	10 X 1	=	10
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	–	10 X 1	=	10

पाठ्य विषय :

प्रयोजनमूलक हिन्दी का तात्पर्य बोध, स्वरूप और परिभाषा
प्रयोजनमूलक हिन्दी के विविध प्रकार
क) प्रशासनिक हिन्दी
ख) व्यवसायिक हिन्दी
ग) तकनीकी हिन्दी
घ) जनसंचारी हिन्दी
ङ) विधिपरक हिन्दी
च) वाणिज्यपरक हिन्दी
प्रयोजनमूलक हिन्दी की उपयोगिता एवं महत्व
प्रयोजनमूलक हिन्दी की विशेषताएँ
प्रयोजनमूलक हिन्दी की समस्याएँ एवं समाधान तथा सीमाएँ एवं संभावनाएँ
हिन्दी के विविध रूप – सामान्य हिन्दी, साहित्यिक हिन्दी, सर्जनात्मक हिन्दी, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संचार भाषा, माध्यम भाषा का सामान्य परिचय एवं अंतर
प्रशासनिक पत्राचार –
क) सरकारी, अर्द्धसरकारी पत्र
ख) टिप्पण
ग) प्रारूपण
घ) आदेश
ङ) निविदा ज्ञापन
च) प्रतिवेदन
छ) अधिसूचना
पारिभाषिक शब्दावली – परिभाषा, स्वरूप, महत्व एवं पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत
निर्धारित 100 पारिभाषिक शब्दावली का हिन्दी से अंग्रेजी या अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद

नोट : सभी प्रश्न निर्धारित पाठ्य विषयों से ही पूछे जाएंगे।

सहायक पुस्तकें :–

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी की नई भूमिका, कैलाशनाथ पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. प्रायोजनिक हिन्दी, डॉ0 बालेन्दु शेखर तिवारी, अनुपम प्रकाशन, पटना
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धांत और प्रयोग, दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी, विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. मानक हिन्दी का स्वरूप, भोलानाथ तिवारी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
6. प्रशासनिक हिन्दी निपुणता, हरिबाबू कंसल, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
   राजभाषा हिन्दी : मानक टिप्पण और पत्राचार, डॉ0 राहुल, भावना प्रकाशन, दिल्ली

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष
विषय : हिन्दी
सत्र – द्वितीय
पत्र : तेरहवाँ

हिन्दी भाषा

अंक विभाजन :–

आलोचनात्मक प्रश्न	–	3 X 20	=	60
लघुत्तरी प्रश्न	–	2 X 5	=	10
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	–	10 X 1	=	10

पाठ्य विषय :

संसार की भाषाओं के वर्गीकरण का आधार –
– आर्य पूर्ववर्ती भारतीय भाषाओं का आर्य भाषा पर प्रभाव
हिन्दी भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि –
– प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ – वैदिक तथा लौकिक संस्कृत
– मध्यकालीन आर्य भाषाएँ – पालि, प्राकृत अपभ्रंश और आधुनिक आर्य भाषाएँ हिन्दी और उसका विकास –
– अपभ्रंश, अवहट्ट सहित पुरानी हिन्दी का स्वरूप
– हिन्दी की उपभाषाएँ – पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, पहाड़ी हिन्दी का भाषिक रूप –
– हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था – खंडय, खंडयेत्तर
– हिन्दी शब्द रचना – उपसर्ग, प्रत्यय, समास
– रूप रचना – लिंग, वचन और कारक व्यवस्था के संदर्भ में हिन्दी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया रूप
– हिन्दी वाक्य रचना

नोट : सभी प्रश्न निर्धारित पाठ्य विषयों से ही पूछे जाएंगे।

सहायक पुस्तकें :–

1. भाषा, भाषा – विज्ञान और राजभाषा हिन्दी, महेन्द्र नाथ दूबे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. भाषा शिक्षण, रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. भाषा और व्यवहार, ब्रजमोहन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. हिन्दी भाषा, महावीर प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. हिन्दी भाषा का इतिहास, भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
6. हिन्दी भाषा की संरचना, भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष
विषय : हिन्दी
सत्र – तृतीय
पत्र : चौदहवाँ

निबंध साहित्य एवं साहित्यिक निबंध लेखन

अंक विभाजन :–

आलोचनात्मक प्रश्न	–	2 X 15	=	30
लघुत्तरी प्रश्न	–	2 X 5	=	10
साहित्यिक निबंध	–	1 X 30	=	30
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	–	10 X 1	=	10

पाठ्य विषय :

खण्ड 'क'

1. आत्मनिर्भरता – बालकृष्ण भट्ट
2. आचरण की सभ्यता – सरदार पूर्ण सिंह
3. कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता – महावीर प्रसाद द्विवेदी
4. कविता क्या है – रामचन्द्र शुक्ल
5. नाखून क्यों बढ़ते हैं – हजारी प्रसाद द्विवेदी
6. गेहूँ और गुलाब – रामवृक्ष बेनीपुरी

खण्ड 'ख'

हिन्दी भाषा एवं साहित्य संबंधी विषयों पर आधारित निबंध इस खण्ड में पूछे जाएंगे।

नोट : आलोचनात्मक प्रश्न, व्याख्याएँ एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्न निर्धारित पाठ्य विषयों से ही पूछे जाएंगे।

सहायक पुस्तकें :–

1. हिन्दी गद्य, विन्यास और विकास, डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. साहित्यिक विधाएँ : सैद्धान्तिक पक्ष, डॉ0 मधु धवन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार, डॉ0 हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. उत्तर–आधुनिक साहित्यिक विमर्श, सुधीश पचौरी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. हिन्दी गद्य की नवीन विधायें, राजेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव, भावना प्रकाशन, दिल्ली
6. साहित्यिक निबंध, डॉ0 शर्मा, भावना प्रकाशन, दिल्ली
7. निबंध क्राति, हरिहर प्रसाद चतुर्वेदी, भावना प्रकाशन, दिल्ली
   हिन्दी निबंध साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन, डॉ0 बाबूराम, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष
विषय : हिन्दी
सत्र – तृतीय
पत्र : पन्द्रहवाँ

हिन्दी नाटक

अंक विभाजन :–

आलोचनात्मक प्रश्न	–	2 X 20	=	40
व्याख्याएँ	–	2 X 10	=	20
लघुत्तरी प्रश्न	–	2 X 5	=	10
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	–	10 X 1	=	10

पाठ्य विषय :

खण्ड 'क'

1. भारतेन्दु हरिशचन्द्र – भारत दुर्दशा
2. जयशंकर प्रसाद – चन्द्रगुप्त
3. मोहन राकेश – आषाढ़ का एक दिन

खण्ड 'ख'

1. हिन्दी नाटक का संक्षिप्त इतिहास
2. नाटक का विधागत वैशिष्ट्य
3. नाटक में दृश्य और श्रव्य तत्वों का समायोजन
4. नाटक और रंगमंच का अन्तः संबंध
5. पारम्परिक नाट्य रूपों का संक्षिप्त परिचय।

नोट :

– खण्ड 'क' से एक आलोचनात्मक प्रश्न एवं खण्ड 'ख' से भी एक आलोचानात्मक प्रश्न करना अनिवार्य होगा।
– व्याख्याएँ निर्धारित नाटकों पर आधारित होंगी।
– लघुत्तरी प्रश्न एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्न संपूर्ण पाठ्य विषय पर आधारित होगा।

सहायक पुस्तकें :–

1. भारतेन्दु कृत नाटकों में सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राजनीतिक चेतना का स्वरूप, डॉ0 नवनीत कुमार, विनय प्रकाशन, अहमदाबाद
2. आधुनिक नाटक : दृष्टि एवं शिल्प, डॉ. देवेन्द्र स्वामी, भावना प्रकाशन, दिल्ली
3. समकालीन हिन्दी नाटक : सृष्टि और दृष्टि, लव कुमार लवलीन, भावना प्रकाशन, दिल्ली
4. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के नाटकों में व्यंग्य, नरेन्द्र अरूण, भावना प्रकाशन, दिल्ली
5. हिन्दी नाटक : रंग शिल्प दर्शन, विकल गौतम, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

1. समकालीन हिन्दी नाटक और रंगमंच, डॉ0 नरेन्द्र मोहन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. नाटककार जयशंकर प्रसाद, सं0 सत्येन्द्र कुमार तनेजा, राधाकृष्ण, दिल्ली
3. आधुनिक नाटक का अग्रदूत मोहन राकेश, गोविन्द चातक, राधाकृष्ण, दिल्ली
4. मोहन राकेश : रंग शिल्प और प्रदर्शन, जयदेव तनेजा, किताबघर, दिल्ली
5. 'भारत–दुर्दशा', सृजन–विश्लेषण और पाठ, रमेश गौतम, किताबघर, दिल्ली
6. जयशंकर प्रसाद : रंगदृष्टि (नाटक के लिए रंगमंच – 1), महेश आनंद, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
7. जयशंकर प्रसाद : रंगदृष्टि (नाटक के लिए रंगमंच – 2), महेश आनंद, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
8. रंगमंच का सौन्दर्यशास्त्र, देवेन्द्रराज अंकुर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
9. रंगमंच के सिद्धांत, महेश आनंद, देवेन्द्र राज अंकुर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष
विषय : हिन्दी
सत्र – तृतीय
पत्र : सोलहवाँ

अनुसंधान प्रविधि

अंक विभाजन :–

आलोचनात्मक प्रश्न	–	3 X 20	=	60
लघुत्तरी प्रश्न	–	2 X 5	=	10
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	–	10 X 1	=	10

पाठ्य विषय :

1. अनुसंधान प्रविधि – स्वरूप, परिभाषा, तत्व, प्रकार, प्रयोजन
2. अनुसंधान प्रविधि के सोपान – विषय निर्वाचन, सामग्री संकलन, रूपरेखा, वर्गीकरण एवं विश्लेषण, संदर्भ लेखन, पाद–टिप्पणी, ग्रंथ सूची, शोधार्थी, शोध निर्देशक
3. संकल्पना या अवधारणा – परिभाषा, विशेषताएँ, महत्व
4. परिकल्पना – परिभाषा, विशेषताएँ, महत्व
5. प्रश्नावली – अर्थ, परिभाषा, विशेषताएँ
6. साक्षात्कार – अर्थ, परिभाषा, उद्देश्य, महत्व, साक्षात्कारकर्त्ता के गुण
7. अनुसंधान – स्वरूप एवं संभावनाएँ

नोट : सभी प्रश्न निर्धारित पाठ्य विषयों से ही पूछे जाएंगे।

सहायक पुस्तकें :–

1. शोध प्रविधि – डॉ0 विनयमोहन शर्मा, मयूर पेपरबैक्स, नोएडा
2. अनुप्रयुक्त अनुसंधान प्रविधि, सं0 डॉ0 सुरेश महेश्वरी, पंकज बुक्स, दिल्ली
3. अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया – डॉ0 विनय कुमार पाठक, डॉ0 जयश्री शुक्ल, भावना प्रकाशन, दिल्ली
4. अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया, डॉ0 राजेन्द्र मिश्र, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
5. अनुसंधान प्रविधि : सिद्धांत और प्रक्रिया, एस. एन. गणेशन, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली
6. आधुनिक शोध पद्धति, डॉ. रामगोपाल सिंह जादौन, साहित्य संस्थान, गाजियाबाद
7. शोध : स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि, पांडेय शशिभूषण 'शीतांशु', वाणी प्रकाशन, दिल्ली
8. नवीन शोध विज्ञान, डॉ0 तिलक सिंह, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
9. अनुसंधान प्रविधि, डॉ0 गणेशन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष
विषय : हिन्दी
सत्र – तृतीय
पत्र : सत्रहवाँ

पत्रकारिता

अंक विभाजन :–

आलोचनात्मक प्रश्न	–	3 X 20	=	60
लघुत्तरी प्रश्न	–	2 X 5	=	10
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	–	10 X 1	=	10

पाठ्य विषय :

1. पत्रकारिता की अवधारणा : स्वरूप, क्षेत्र एवं प्रकार
2. विश्व पत्रकारिता – सामान्य परिचय
3. हिन्दी पत्रकारिता – उद्भव और विकास
4. समाचार पत्रकारिता के मूल तत्व – समाचार संकलन, शीर्षक, पृष्ठ विन्यास, आमुख एवं विभिन्न स्तम्भों की योजना
5. समाचार के विभिन्न स्रोत, प्रेस संबंधी कानून
6. संवाददाता का महत्व, अर्हता, श्रेणी एवं कार्य पद्धति
7. पत्रकारिता से संबंधित लेखन – संपादकीय, अग्रलेख, फीचर लेखन, रिपोर्ताज, कार्टून, रेखाचित्र, साक्षात्कार, खोजी पत्रकारिता, पीत पत्रकारिता, फोटो पत्रकारिता, संपादक के नाम पत्र
8. पत्रकारिता के समक्ष खतरे एवं चुनौतियाँ, जनसंपर्क अपेक्षाएँ एवं संभावनाएँ

नोट : सभी प्रश्न निर्धारित पाठ्य विषयों से ही पूछे जाएंगे।

सहायक पुस्तकें :–

1. हिन्दी पत्रकारिता, डॉ. कृष्ण बिहारी मिश्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. पत्रकारिता के नव्य आयाम, मंजुला सागा, सिद्धेश्वर कश्यप, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. पत्रकारिता : परिवेश और प्रवृत्तियाँ, डॉ0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. पत्रकारिता के नए आयाम, एस. के. दूबे, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास, जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
6. 1000 पत्रकारिता एवं जनसंचार प्रश्नोत्तरी, एस. पी. चैतन्य, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
7. पत्रकारिता की चुनौतियाँ, गणेश मंत्री, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
8. हिन्दी पत्रकारिता का बृहद् इतिहास, अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
9. हिन्दी पत्रकारिता : स्वरूप और संदर्भ, विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
10. जन सरोकार की पत्रकारिता, हरिवंश, फैसल अनुराग, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली

पत्रकारिता : नया दौर, नये प्रतिमान, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष
विषय : हिन्दी
सत्र – तृतीय
पत्र : अठारहवाँ

आधुनिक कथा साहित्य

अंक विभाजन :–

आलोचनात्मक प्रश्न	–	2 X 20	= 40
व्याख्याएँ	–	2 X 10	= 20
लघुत्तरी प्रश्न	–	2 X 5	= 10
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	–	10 X 1	= 10

पाठ्य विषय :

उपन्यास

1. हिन्दी उपन्यास की विकास यात्रा
2. फणीश्वरनाथ रेणु – मैला आंचल
3. मन्नू भंडारी – आपका बंटी

कहानी

1. हिन्दी कहानी की विकास यात्रा
2. चन्द्रधर शर्मा गुलेरी – उसने कहा था
3. कमलेश्वर – राजा निरबंसिया
4. निर्मल वर्मा – परिन्दे
5. वापसी – उषा प्रियंवदा
6. मलबे का मालिक – मोहन राकेश

नोट :

1. एक आलोचनात्मक प्रश्न निर्धारित उपन्यास से और एक आलोचनात्मक प्रश्न निर्धारित कहानियों से करना अनिवार्य होगा।
2. लघुत्तरी प्रश्न उपन्यास एवं कहानी की विकास यात्रा पर आधारित होगा।
3. व्याख्याएँ निर्धारित उपन्यास एवं कहानियों पर आधारित होंगी।
4. वस्तुनिष्ठ प्रश्न निर्धारित पाठ्य विषय पर आधारित होगा।

सहायक पुस्तकें :–

1. मन्नु भंडारी और आपका बंटी, मालविका, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति, देवीशंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. हिन्दी उपन्यास का इतिहास, गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. आधुनिक हिन्दी कहानी, लक्ष्मीनारायण लाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

1. आधुनिक परिदृश्य : आंचलिकता और हिन्दी उपन्यास, विद्या सिन्हा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. हिन्दी कहानी : संरचना एवं संवेदना, डॉ0 साधना शाह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. हिन्दी कहानी : परम्परा और प्रगति, हरदयाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. हिन्दी के आंचलिक उपन्यासों में मूल्य संक्रमण, वेदप्रकाश अमिताभ, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. मैला आंचल की रचना प्रक्रिया जतकर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
6. उपन्यास : स्वरूप और संवेदना, राजेन्द्र यादव, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. कथाकार निर्मल वर्मा : दृष्टि ओर सृष्टि, डॉ0 आलोक राय, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
8. कमलेश्वर अभी जिन्दा है, कमलेश्वर, भावना प्रकाशन, दिल्ली
9. निर्मल वर्मा का कथा साहित्य और अस्तित्ववाद, डॉ0 प्रेमलता चुटैल, विनय प्रकाशन, अहमदाबाद
10. पं0 चंद्रधर शर्मा गुलेरी के साहित्य का सांस्कृतिक अनुशीलन, निधि शर्मा, किताबघर, दिल्ली

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष
विषय : हिन्दी
सत्र – चतुर्थ
पत्र : उन्नीसवाँ

प्रेमचंद

अंक विभाजन :–

आलोचनात्मक प्रश्न	–	2 X 20	=	40
व्याख्याएँ	–	2 X 10	=	20
लघुत्तरी प्रश्न	–	2 X 5	=	10
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	–	10 X 1	=	10

पाठ्य विषय :
कहानियाँ – नमक का दारोगा, बूढ़ी काकी, शतरंज के खिलाड़ी, पूस की रात, कफन, दो बैलों की कथा
उपन्यास – गोदान
कुछ विचार – साहित्य का उद्देश्य, कहानी कला – 1, 2, 3, उपन्यास, उपन्यास का विषय, जीवन में साहित्य का स्थान

नोट : आलोचनात्मक प्रश्न एवं व्याख्याएँ कहानी, उपन्यास एवं कुछ विचार पर आधारित होंगे। लघुत्तरी प्रश्न प्रेमचंद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आधारित होंगे तथा वस्तुनिष्ठ प्रश्न समस्त पाठ्य विषय से पूछे जाऐंगे।

सहायक पुस्तकें :–

1. कहानीकार प्रेमचंद, डॉ0 सुशील कुमार 'फुल्ल', भावना प्रकाशन, दिल्ली
2. प्रेमचंद : व्यक्तित्व और रचना दृष्टि, सं0 दयानन्द पाण्डेय, भावना प्रकाशन, दिल्ली
3. प्रेमचंद : विरासत का सवाल, शिवकुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. प्रेमचंद का सौन्दर्यशास्त्र, नन्दकिशोर नवल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. प्रेमचद की बस्ती 2010, विजयदान देथा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
6. उपन्यासकार : प्रेमचंद एवं गोर्की, डॉ0 फशीश सिह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. प्रेमचंद की कहानियों का समाजशास्त्रीय विश्लेषण, अनीता रानी, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
8. प्रेमचंद, सं0 विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
9. मानसरोवर 1 से 8 भाग, प्रेमचंद
10. कुछ विचार, प्रेमचंद
11. गोदान, प्रेमचंद

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष
विषय : हिन्दी
सत्र – चतुर्थ
पत्र : बीसवाँ

लोक साहित्य

अंक विभाजन :–

आलोचनात्मक प्रश्न	–	3 X 20	= 60
लघुत्तरी प्रश्न	–	2 X 5	= 10
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	–	10 X 1	= 10

पाठ्य विषय :

खण्ड 'क'

1. लोक–साहित्य का स्वरूप एवं वैशिष्ट्य
   लोक–साहित्य का अभिप्राय
   लोक–साहित्य का महत्व
   लोक–साहित्य एवं लोक संस्कृति का अंतः संबंध
   लोक–साहित्य एवं शिष्ट साहित्य में अंतर
2. लोक–साहित्य की विभिन्न विधाएँ
   लोक–साहित्य का वर्गीकरण
   लोक कथा – स्वरूप एवं वैशिष्ट्य
   लोक–गीत – स्वरूप एवं वैशिष्ट्य
   लोक–नाटक – स्वरूप एवं वैशिष्ट्य

खण्ड 'ख'

1. झारखण्ड की जनजातियों का सामान्य परिचय
2. झारखण्ड की संस्कृति का सामान्य परिचय
3. लोक संस्कृति एवं जनजातीय संस्कृति में अंतर
4. किसी एक बोली की लोक कथा, लोकगीत एवं लोक नाटक का परिचय एवं वैशिष्ट्य

नोट : खण्ड 'क' से एक प्रश्न एवं खण्ड 'ख' से भी एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा। तीसरा प्रश्न किसी भी खण्ड से किया जा सकता है। लघुतरी प्रश्न एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्न निर्धारित समस्त पाठ्य विषय पर आधारित होगा।

सहायक पुस्तकें :–

1. लोकनाट्य : परम्परा एवं प्रयोग, डॉ0 संतराम देशमुख 'विमल', भावना प्रकाशन, दिल्ली
2. लोक साहित्य और संस्कृति – डॉ0 दिनेश्वर प्रसाद, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. लोक संस्कृति में राष्ट्रवाद, बद्रीनारायण, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. लोक साहित्य की भूमिका, डॉ0 कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन, इलाहाबाद
5. हिन्दी लोक साहित्य शास्त्र : सिद्धांत और विकास, डॉ0 अनुसूया अग्रवाल, नीरज बुक सेन्टर, दिल्ली

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष
विषय : हिन्दी
सत्र – चतुर्थ
पत्र : इक्कीसवाँ

कम्प्यूटर और हिन्दी

अंक विभाजन :–

आलोचनात्मक प्रश्न	–	4 X 10	= 40
लघुत्तरी प्रश्न	–	2 X 5	= 10
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	–	10 X 1	= 10
प्रायोगिक परीक्षा	–		20

पाठ्य विषय :

– कम्प्यूटर : एक परिचय, उपयोगिका एवं क्षेत्र
– हिन्दी कम्प्यूटर का विकास, कम्प्यूटर की कार्य दिशाएँ
– हिन्दी कम्प्यूटर प्रयोग की समस्याएँ और समाधान
– इंटरनेट : परिचय एवं स्वरूप
– प्रमुख हिन्दी सॉफ्टवेयर – सर्च इंजन, वेबसाइट
– ईमेल
– इंटरनेट की नवीन विधाएँ ' ब्लॉग, वेब पत्रिकाएँ, चैटिंग
– माइक्रोसाफ्ट ऑफिस (पावर प्वाईन्ट, वर्ड, एक्सेल)
– हिन्दी टंकण विधि एवं अभ्यास

नोट : सभी प्रश्न निर्धारित पाठ्य विषय पर आधारित होंगे।

सहायक पुस्तकें :–

1. कम्प्यूटर का सहज बोध, इकबाल मु. अली, सुरेश सलिल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, विजय कुमार मल्होत्रा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. कम्प्यूटर सूचना प्रणाली का विकास, रामबंसल 'विज्ञानाचार्य', वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. कम्प्यूटर प्रयोग और हिन्दी, डॉ0 अमर सिंह वधान, भावना प्रकाशन, दिल्ली
5. भारत में कम्प्यूटर क्रान्ति, सुभाष चंदर, भावना प्रकाशन, दिल्ली
6. नए जनसंचार माध्यम और हिन्दी, सं0 सुधीर पचौरी, अचला शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
7. कम्प्यूटर इतिहास और कार्यविधि, गोपीनाथ श्रीवास्तव

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष
विषय : हिन्दी
सत्र – चतुर्थ
पत्र : बाईसवाँ (विशेष पत्र 'क')

कबीरदास

अंक विभाजन :–

आलोचनात्मक प्रश्न	–	2 X 20	= 40
व्याख्याएँ	–	2 X 10	= 20
लघुत्तरी प्रश्न	–	2 X 5	= 10
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	–	10 X 1	= 10

पाठ्य विषय :

पाठ्य ग्रंथ : कबीर ग्रंथावली, सं0 – डॉ0 श्याम सुन्दर दास

क) आलोचनात्मक प्रश्न : कबीर का समय और समाज, कबीर की उलटबांसियाँ, रूपक–प्रतीक योजना, रहस्यवाद, ब्रह्म–माया विषयक विचार, कबीर के राम
ख) साखी :
2. गुरूदेव कौ अंग – 1 से 5
3. सुमिरण कौ अंग – 1 से 5
4. ज्ञानविरह कौ अंग – 1 से 5
5. माया कौ अंग – 1 से 5
6. सहज कौ अंग – 1 से 5
7. साँच कौ अंग – 1 से 5
8. साध कौ अंग – 1 से 5
9. सबद कौ अंग – 1 से 5
10. जीवन मृतक कौ अंग – 1 से 5
11. काल कौ अंग – 1 से 5

ग) पद – 1 से 5
घ) रमैनी – 1 एवं 2

नोट : सभी प्रश्न निर्धारित पाठ्य विषय पर आधारित होंगे।

सहायक पुस्तकें :–

1. पूरा कबीर, सं. डॉ0 बलदेव वंशी, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
2. संत कबीर और उनका दर्शन, डॉ0 रामाश्रय दास ब्रह्मचारी, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
3. कबीर की सौन्दर्य भावना, डॉ0 ब्रजभूषण शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. कबीर की चिंता, बलदेव वंशी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. कबीर, विजयेन्द्र स्नातक, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
6. कबीर की भाषा, डॉ0 महेन्द्र, किताबघर, दिल्ली
7. कबीर, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
8. कबीर की कविता, डॉ0 योगेन्द्र प्रताप सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
9. कबीर : एक नई दृष्टि, डॉ0 रघुवंश, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
10. कबीर ग्रंथावली, डॉ0 श्यामसुन्दर दास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
11. अकथ कहानी प्रेम की, कबीर की कविता और उनका समय, पुरोषोतम अग्रवाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष
विषय : हिन्दी
सत्र – चतुर्थ
पत्र : बाईसवाँ (विशेष पत्र 'ख')

सूरदास

अंक विभाजन :–

आलोचनात्मक प्रश्न	–	2 X 20	=	40
व्याख्याएँ	–	2 X 10	=	20
लघुत्तरी प्रश्न	–	2 X 5	=	10
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	–	10 X 1	=	10

पाठ्य विषय :
पाठ्य ग्रंथ : सूरपंचरत्न – सं0 – लाला भगवानदीन
सूर की भक्तिभावना एवं काव्य विकास, लोक संस्कृति
निर्धारित पद – विनय, बाल लीला, रूप माधुरी तथा मुरली माधुरी (आरंभ से 15 पद)
पाठ्य ग्रंथ : भ्रमरगीत – सं0 – रामचन्द्र शुक्ल निर्धारित पद – (आरंभ से 35 पद)

नोट : सभी प्रश्न निर्धारित पाठ्य विषय से ही पूछे जाएंगे।

सहायक पुस्तकें :–

1. सूर साहित्य, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. महाकवि सूरदास, नन्द दुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. सूरदास, हरबंस लाल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. सूरदास, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. सूरदास, डॉ0 ब्रजेश्वर शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. दूसरी परम्परा की खोज, नामवार सिंह, राजकमल प्रकाशन

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष
विषय : हिन्दी
सत्र – चतुर्थ
पत्र : बाईसवाँ (विशेष पत्र 'ग')

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

अंक विभाजन :–

आलोचनात्मक प्रश्न	–	2 X 20	=	40
व्याख्याएँ	–	2 X 10	=	20
लघुत्तरी प्रश्न	–	2 X 5	=	10
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	–	10 X 1	=	10

पाठ्य विषय :
- छायावादी काव्य और निराला, मुक्त छन्द की अवधारणा, निराला काव्य में राष्ट्रीय चेतना। निराला का गद्य साहित्य
- कविताएँ – जूही की कली, कुकुरमुत्ता, बादल राग, तुलसीदास, भारती वन्दना, तुम और मैं, मैं अकेला
- निरूपमा
- अप्सरा
- चतुरी चमार

नोट : सभी प्रश्न निर्धारित पाठ्य विषय से ही पूछे जाएंगे।

सहायक पुस्तकें :–

1. निराला की साहित्य साधना भाग – 1, 2, 3, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. निराला : कृति से साक्षात्कार, नन्द किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. कवि निराला, आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. निराला काव्य : विविध संदर्भ, डॉ0 गीता श्रीवास्तव, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. निराला , आत्महंता आस्था, दूधनाथ सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. निराला, रामविलास शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
7. निराला काव्य का मनोवैज्ञानिक अध्ययन, डॉ0 कमल प्रभा, भावना प्रकाशन, दिल्ली
8. निराला की विचारधारा, तरूण कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
9. निराला के काव्य का राजनीतिक संदर्भ, डॉ0 संध्या सिहं, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
10. साहित्य स्रष्टा निराला, राजकुमार सैनी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
11. कथा शिल्पी : निराला, डॉ0 बलदेव प्रसाद मेहरोत्रा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष
विषय : हिन्दी
सत्र – चतुर्थ
पत्र : तेईसवाँ (विशेष पत्र 'क')

अनुवाद विज्ञान

अंक विभाजन :–

आलोचनात्मक प्रश्न	–	2 X 20	=	40
लघुत्तरी प्रश्न	–	3 X 5	=	15
अंग्रेजी से हिन्दी, हिन्दी से अंग्रेजी	–	1 X 15	=	15
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	–	10 X 1	=	10

पाठ्य विषय :

S अनुवाद – परिभाषा, क्षेत्र, सीमाएँ
- अनुवाद का स्वरूप – अनुवाद कला, विज्ञान अथवा शिल्प
- अनुवाद इकाई – शब्द, पदबंध, वाक्य पाठ
- अनुवाद की प्रक्रिया और प्रविधि – विश्लेषण, अंतरण, पुनर्गठन
- अनुवादक के गुण
- अनुवाद की सार्थकता, प्रासंगिकता एवं व्यवसायिक परिदृश्य

1. अनुवाद की समस्याएँ –
   - साहित्यानुवाद की समस्याएँ
   - कार्यालयी अनुवाद की समस्याएँ
   - वैज्ञानिक और तकनीकी अनुवाद की समस्याएँ
   - विधि साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ
   - बैंकिंग अनुवाद की समस्याएँ
   - मीडिया क्षेत्र के अनुवाद की समस्याएँ
   - विज्ञापन के अनुवाद की समस्याएँ

नोट : एक आलोचनात्मक प्रश्न खण्ड 'क' से एवं एक आलोचनात्मक प्रश्न खण्ड 'ख' से करना अनिवार्य होगा। शेष प्रश्न निर्धारित पाठ्य विषय पर आधारित होगा।

सहायक पुस्तकें :–

1. अनुवाद विज्ञान, सं0 डॉ0 बालेन्दु शेखर तिवारी, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
2. अनुवाद क्या है, राजमल बोरा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. अनुवाद प्रक्रिया एवं परिदृश्य, रीतारानी पालीवाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा, डॉ0 सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. अनुवाद : समझें और करें, डॉ0 बिचारदास सुमन, भावना प्रकाशन, दिल्ली

अनुवाद की व्यवहारिक समस्याएँ, भोलानाथ तिवारी, ओमप्रकाश गाबा, किताबघर, दिल्ली

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष
विषय : हिन्दी
सत्र – चतुर्थ
पत्र : तेईसवाँ (विशेष पत्र)

(ख) कोश विज्ञान

अंक विभाजन :–

आलोचनात्मक प्रश्न	–	3 X 15	=	45
लघुत्तरी प्रश्न	–	3 X 5	=	15
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	–	10 X 1	=	10
प्रायोगिक शब्द	–		=	10

पाठ्य विषय :
- आलोचनात्मक, लघुतरी एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्न निर्धारित पाठ्य विषय से ही पूछे जाएँगे
- कोश–परिभाषा और स्वरूप। कोश की उपयोगिता। कोश और व्याकरण अन्तःसंबंध।
- कोश के भेद–समभाषी,द्विभाषी और बहुभाषी कोश, एककालिक और कालक्रमि कोशः विषयक कोश, पारिभाषिक कोश, व्युत्पत्ति कोश, समांतर कोश, अध्येताकोश, विश्वकोश, बोली कोश
- कोश निर्माण की प्रक्रिया – सामग्री संकलन, प्रविष्टिक्रम, व्याकरणिक कोटि, उच्चारण, व्यत्पत्ति, अर्थ (पर्याय व्याख्या, चित्र) प्रयोग, उप–प्रविष्टियाँ, संक्षिप्तियाँ, संदर्भ और प्रतिसंदम।
  रूप अर्थ संबंध – अनेकार्थकता, समानार्थकता, समनामता, समध्वन्यात्मक विलामता।
  कोश निर्माण की समस्याएँ – समभाषी, द्विभाषी और बहुभाषी कोशों के संबंध में अलिखित भाषाओं का कोश– निर्माण।
  कोश निर्माण – विज्ञान या कला
  हिन्दी के प्रमुख कोश और कोशकार।

सहायक पुस्तकें :–

1. कोश विज्ञान – डॉ0 भोलानाथ तिवारी
2. कोश निर्माण प्रविधि एवं प्रयोग – डॉ0 त्रिभुवन नाथ शुक्ल
3. हिन्दी कोश साहित्य – डॉ0 अचलानदं, जखमोला
4. हिन्दी कोश कला – डॉ0 चमनलाल गुप्त
11. कथा शिल्पी : निराला, डॉ0 बलदेव प्रसाद मेहरोत्रा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष
विषय : हिन्दी
सत्र – चतुर्थ
पत्र : तेईसवाँ (विशेष पत्र)

(ग) दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन

अंक विभाजन :–

आलोचनात्मक प्रश्न	–	3 X 15	=	45
लघुत्तरी प्रश्न	–	3 X 5	=	15
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	–	10 X 1	=	10
परियोजना	–		=	10

पाठ्य विषय :

आलोचनात्मक प्र न, लघुत्तरी एवं वस्तुनिश्ठ प्र न निर्धारित पाठ्य विशय से पूछे जाएँगे। 25 पृश्ठ की एक परियोजना अध्यापिका द्वारा दिए गये विशय पर तैयार करना होगा।

1. श्रव्य एवं दृष्य को स्वरूप, वैविध्य एवं चुनौतियाँ
2. संचार माध्यमों की भाषा
3. रेडियो नाटक की प्रविधि
4. रंग नाटक, पाठ्य नाटक, टी. वी. नाटक और रेडियो नाटक में अतंर
5. संगीत रूपक
6. रेडियो वार्ता
7. टेली फिल्म डाक्यूड्रामा तथा टी. वी. धारावाहिक, समाचार लेखन, विज्ञापन उद्घोषणा, साक्षात्कार कला, कमेंट्री कला

सहायक पुस्तकें :–

1. श्रव्य दृश्य माध्यम लेखन – डॉ0 राजेन्द्र मिश्र
2. रेडियो नाटक की कला – डॉ0 सिद्धनाथ कुमार
3. टेलीविजन लेखन – डॉ0 असगर वजाहत
4. कथा पट कथा – मन्नु भंडारी, वाणी प्रकाशन
5. सूचना प्रौद्योगिकी और जनमाध्यम – डॉ0 हरिमोहन
6. रंगकर्म और मीडिया – डॉ0 जयदेव तनेजा
7. रेडियो लेखन – डॉ0 मधुकर गंगाधर
8. मीडिया लेखन कला – डॉ0 सूर्य प्रसाद दीक्षित

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष

विषय : हिन्दी

सत्र – चतुर्थ

पत्र : चौबीसवाँ

लघु शोध प्रबंध

यह पत्र लघु शोध का है। इससे शोध प्रक्रिया के संबंध में छात्राओं को जानकारी प्राप्त होगी। प्रत्येक छात्रा को किसी एक विषय का चयन अध्यापकों के साथ मिलकर करना होगा। शिक्षक के निर्देशन में हर छात्रा को 50 पृष्ठों का शोध प्रबंध तैयार करना होगा। विषय पर तैयार सामग्री टंकित रूप में मुख्य परीक्षा के एक महीने पहले जमा करनी होगी।

अंक विभाजन :

संक्षेपिका	–	20 अंक
शोध मूल्यांकन	–	60 अंक
मौखिकी प्रस्तुति एवं प्रश्नोत्तर	–	10 + 10 + 20 अंक

नोट : शोध प्रबंध का मूल्यांकन कार्य बाहर के दो परीक्षकों द्वारा होगा।